9 जनवरी, 2010 को बोत्सवाना के उपराष्ट्रपति द्वारा दिए गए भोज में भारत के उपराष्ट्रपति माननीय श्री मो. हामिद अंसारी का अभिभाषण

आपके सुन्दर देश में आकर मैं और मेरी पत्नी बहुत खुशी महसूस कर रहे हैं। मैं बोत्सवाना की सरकार और जनता के लिए भारत की सरकार और जनता की बधाइयां तथा शुभकामनाएँ लेकर आया हूँ।

गर्मजोशी से किया गया हमारा स्वागत और हमारे लिए की गई शानदार मेहमाननवाज़ी दोनों देशों के बीच हमारे प्रगाढ़ संबंधों को दर्शाती है।

बोत्सवाना के साथ भारत की साझेदारी अफ्रीकी देशों के साथ राजनीतिक, सुरक्षा, आर्थिक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, मानव संसाधान विकास तथा सांस्कृतिक क्षेत्रों में घनिष्ठ, सहयोगात्मक एवं बहु-क्षेत्रीय साझेदारी के हमारे व्यापक दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण अंग है। नयी दिल्ली में अप्रैल 2008 में पहली बार आयोजित भारत-अफ्रीका मंच के शिखर-सम्मेलन में, अफ्रीकी नेताओं और हमारे प्रधान मंत्री ने हमारी भागीदारी को सुदृढ़ करने हेतु सहयोग के लिए एक योजना को स्वीकार किया था।

अफ्रीका के साथ हमारी साझेदारी समानता और हमारी जनता के परस्पर हितों पर आधारित है। भारत अफ्रीकी राज्यों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखण्डता तथा अफ्रीकी एकीकरण की प्रक्रिया को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता का सम्मान करता है। हम अपने अफ्रीकी साझेदारों के साथ शांति, सहिष्णुता और धार्मिक, सांस्कृतिक, भाषायी तथा जातीय विविधता एवं साथ ही नर-नारी समानता के प्रति सम्मान की संस्कृति को बढ़ावा देना चाहते हैं।

भारत बोत्सवाना के साथ एक लगाव महसूस करता है। हम दोनों लोकतांत्रिक शासन, जवाबदेही तथा पारदर्शिता, मौलिक स्वतंत्रताओं एवं मानवाधिकारों का सम्मान करने और कानून का शासन बनाए रखने के आदर्शों के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम दोनों राष्ट्र समावेशी प्रगति सहित आर्थिक विकास के कार्य में लगे हैं ताकि हम अपनी जनता को

बेहतर जीवन और अपनी क्षमताओं को पूर्णरूपेण विकसित करने का अवसर प्रदान कर सकें। हम अपने पारस्परिक सहयोग और दक्षिण के देशों के पारस्परिक सहयोग के माध्यम से ही अपनी समस्याओं का सफलतापूर्वक समाधान कर पाएंगे।

महामहिम,

हमने गरीबी और बेरोजगारी की समस्या पर विशेष ध्यान देते हुए, बोत्सवाना की सरकार द्वारा शुरू की गई आर्थिक विविधता तथा आर्थिक विकास की पहल का अत्यधिक दिलचस्पी से अवलोकन किया है। यह महत्वपूर्ण बात है कि इस वर्ष अप्रैल में प्रारम्भ की जाने वाली आपकी राष्ट्रीय विकास योजना में किए जा रहे इस प्रकार के विविधीकरण के प्रयास कृषि, परिवहन, हीरा उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अभिनव प्रयोगों के छ: केन्द्रों को प्रोत्साहित करने को आधार बना रहे हैं। मैं आपको आश्वस्त करना चाहूंगा कि भारत की सरकार तथा जनता में इनमें से प्रत्येक क्षेत्र में बोत्सवाना के साथ साझेदारी करने की क्षमता एवं इच्छा है।

जैसे-जैसे आप तरक्की और विकास की यात्रा में आगे बढ़ेंगे, कृषि, भैषजिकी, लघु एवं मध्यम उद्यमों, सूचना प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और हीरा उद्योग के विभिन्न पहलुओं में भारत द्वारा हासिल की गई उत्कृष्ट विशेषज्ञता एवं विकसित की गई प्रौद्योगिकियां बोत्सवाना के हमारे मित्रों को उपलब्ध कराई जाएंगी।

हम चाहेंगे कि बोत्सवाना भारत-अफ्रीका मंच के शिखर-सम्मेलन के अवसर पर विशेषकर, क्षमता निर्माण और विकास के संबंध में घोषित की गई नई पहलों का लाभ उठाए। हम सूचना प्रौद्योगिकी, हीरा, विदेशी व्यापार और शैक्षिक प्रशासन संबंधी अफ्रीकी संस्थानों सहित कई पैन अफ्रीकी संस्थाएँ स्थापित करना चाहते हैं। मुझे विश्वास है कि इनमें से कुछ से बोत्सवाना को लाभ होगा।

कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा के मामले में सामाजिक क्षेत्र संबंधी परियोजनाओं के लिए बोत्सवाना सरकार को भारत द्वारा मुहैया कराया गया 8 मिलियन अमेरिकी डालर का अनुदान हमारी सम्पूरक आवश्यकताओं पर आधारित हमारे पारस्परिक सहयोग को सुदृढ़

करेगा तथा इससे बोत्सवाना के मैत्रीपूर्ण लोगों को अत्यधिक लाभ होगा। हमें विश्वास है कि हमारे 20 मिलियन अमेरिकी डालर के ऋण का बोत्सवाना में अवसंरचना या औद्योगिक परियोजनाओं के विकास के लिए उपयोग किया जा सकता है।

महामहिम,

हमारी हाल में शुरू की गई पैन-अफ्रीकन ई-नेटवर्क परियोजना दक्षिण-दक्षिण सहयोग की दिशा में एक अन्य मील का पत्थर है। यह परियोजना अफ्रीका में सभी राष्ट्राध्यक्षों के साथ वीडियो-बातचीत और टेली शिक्षा एवं टेली-चिकित्सा सेवाओं को सुगम बनाएगी। यह अफ्रीका में हमारे भागीदारों को हमारे प्रौद्योगिकीय विकास से लाभान्वित करने के हमारे प्रयासों का एक उदाहरण है।

बोत्सवाना क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर एक प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में उभरा है। हम दोनो देश अन्तर्राष्ट्रीय कार्यसूची में कई मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण रखते हैं। हम आज के परिवर्तनों एवं वास्तविकताओं के प्रति अनुक्रियाशील सुरक्षित एवं अधिक समानतापूर्ण विश्व व्यवस्था के निर्माण के लिए कार्य करने हेतु प्रतिबद्ध हैं।

महामहिम, विशिष्ट अतिथिगण, देवियो और सज्जनो, मेरा आपसे अनुरोध है कि आइए हम सब मिलकर-

- महामहिम, बोत्सवाना के राष्ट्रपति, ले. जनरल सेरेत्से खामा इयान खामा के अच्छे स्वास्थ्य और व्यक्तिगत कुशल-क्षेम;
- बोत्सवाना की मैत्रीपूर्ण जनता की सतत प्रगति एवं समृद्धि; और
- भारत और बोत्सवाना के बीच सतत मित्रता, प्रेम एवं सहयोग; की कामना करते हुए भोज में सम्मिलित हों।

धन्यवाद।